

महिलाओं की निवेश प्रवृत्ति और निवेश क्षमता का तुलनात्मक अध्ययन

श्रीमती सुमन स्वर्णकार¹, डॉ. शीतल शर्मा²

¹शोधार्थी, भारती विश्वविद्यालय, दुर्ग (छ.ग)

²शोध निर्देशक, सहायक प्राध्यापक (वाणिज्य संकाय), भारती विश्वविद्यालय, दुर्ग (छ.ग)

सार

प्रस्तुत अध्ययन में निवेश-व्यवहार को व्यवहारिक श्रेणियों-जैसे संरक्षित, सन्तुलित और वृद्धि-उन्मुख में वर्गीकृत किया गया है। निवेश-क्षमता से आशय उत्तरदात्री की मासिक निवेश-योग्यता/उपलब्ध अधिशेष से है, जिसे कम/मध्यम/उच्च श्रेणियों में समूहित किया गया है (पूर्वनिर्धारित कट-ऑफ के अनुसार)। दुर्ग ज़िले की 500 महिला निवेशकों (N = 500) से संकलित श्रेणीबद्ध आँकड़ों के आधार पर, दोनों चर के बीच संबंध ज्ञात करने हेतु कार्ई-स्क्वायर (χ^2) परीक्षण का प्रयोग किया गया है। विश्लेषण के आधार पर यह निष्कर्ष निकला कि दुर्ग ज़िले की महिला निवेशकों के संदर्भ में निवेश-व्यवहार एवं निवेश-क्षमता के मध्य सांख्यिकीय दृष्टि से महत्वपूर्ण संबंध विद्यमान पाया गया।

प्रस्तावना

भारत में तीव्र आर्थिक रूपान्तरण, औपचारिक वित्तीय सेवाओं का प्रसार और पूँजी-बाज़ार में खुदरा भागीदारी की बढ़ती ने परिवारों के वित्तीय निर्णयों में महिलाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बनाया है। एक ओर **निवेश प्रवृत्ति**—जैसे बचत की नियमितता, जोखिम लेने की तत्परता, विविधीकरण, दीर्घकालिक लक्ष्यों से संरेखण, उत्पादों का तुलनात्मक मूल्यांकन, व्यवहारिक रूप में दिखाई देती है; दूसरी ओर **निवेश क्षमता** – जैसे वित्तीय साक्षरता, बुनियादी गणितीय/वित्तीय अवधारणाएँ (ब्याज़, चक्रवृद्धि, महँगाई-समायोजन), जोखिम-प्रतिफल का आकलन, और सूचनात्मक निर्णय, एक दक्षता-समूह के रूप में सामने आती है। सामान्यतः यह मान लिया जाता है कि जिन व्यक्तियों की निवेश क्षमता अधिक है उनकी निवेश प्रवृत्ति अधिक परिष्कृत और विवेकपूर्ण होगी; परन्तु व्यवहारिक वित्त के शोध इंगित करते हैं कि वास्तविक जीवन के निर्णय अनेक सामाजिक-सांस्कृतिक, मनोवैज्ञानिक और संस्थागत कारकों से प्रभावित होते हैं, जैसे परिवार/समुदाय की मान्यताएँ, साथियों का प्रभाव, अति-सावधानी या अति-आत्मविश्वास, वित्तीय संस्थाओं पर भरोसा, तथा पूर्व अनुभव। ऐसे में यह प्रश्न उभरता है कि **क्या महिलाओं की निवेश प्रवृत्ति वास्तव में उनकी निवेश क्षमता पर ही निर्भर है**, अथवा दोनों के बीच संबंध अपेक्षित रूप से मज़बूत नहीं है?

भारतीय संदर्भ में महिलाओं के वित्तीय निर्णयों पर गृह-भूमिकाएँ, कार्य-भागीदारी, आय-स्वायत्तता, बैंकिंग पहुँच, स्वयं-सहायता समूह (SHG) जैसे संस्थागत समर्थन, और डिजिटल वित्त (UPI/मोबाइल वॉलेट/माइक्रो-इन्वेस्टिंग ऐप) का प्रभाव तीव्र हुआ है। इसके बावजूद, उत्पाद-पारदर्शिता, जोखिम-समझ, और शिकायत निवारण तक पहुँच जैसी चुनौतियाँ बनी हुई हैं। निवेश क्षमता का सीमित मापन (केवल तथ्यात्मक क्विज़) कई बार वास्तविक व्यवहार की पूरी व्याख्या नहीं कर पाता; वहीं व्यवहार पर परिवार/पति/बुजुर्गों के निर्णयों का प्रभाव, "सुरक्षित" विकल्पों (सोना/आवर्ती जमा) की सांस्कृतिक प्राथमिकता, और अल्पकालिक तरलता-आवश्यकताएँ, प्रवृत्ति को क्षमता से "डिकपल" कर सकती हैं।

दुर्ग ज़िले जैसे अर्ध-शहरी-ग्रामीण मिश्रित क्षेत्र में आय, शिक्षा, व्यवसाय, और वित्तीय पहुँच में विषमता, निवेश प्रवृत्तियों के स्वरूप को विविध बनाती है। ऐसे परिदृश्य में **तुलनात्मक अध्ययन**, अर्थात् विभिन्न उप-समूहों (शहरी-ग्रामीण, आय/शिक्षा स्तर, नौकरी-स्वरोज़गार, पराश्रित-स्वायत्त आय) में निवेश प्रवृत्ति और क्षमता का तुलनात्मक विश्लेषण—नीतिगत और कार्यक्रमगत दृष्टि से अत्यंत उपयोगी है। इस अध्ययन की विशिष्टता यह है कि यह **पूर्वधारणा** को जाँचता है कि महिलाओं की निवेश प्रवृत्ति और निवेश क्षमता के बीच **कोई सार्थक संबंध न भी हो सकता है**; अर्थात् व्यवहार कई बार क्षमता से स्वतंत्र कारकों द्वारा संचालित होता है। यह निष्कर्ष, यदि प्राप्त होता है, तो वित्तीय साक्षरता कार्यक्रमों को केवल ज्ञान-प्रदान से आगे बढ़ाकर व्यवहार-परिवर्तन, संदर्भगत बाधाओं के समाधान, उत्पाद-डिज़ाइन और भरोसा-निर्माण पर बल देने का संकेत देगा। इस प्रकार, अध्ययन शैक्षिक, नीतिगत और व्यावहारिक—तीनों स्तरों पर योगदान देने का प्रयास करता है।

संबंधित शोध अध्ययन

- लुसार्डी एवं मिचेल (2014): वित्तीय साक्षरता आर्थिक निर्णयों की गुणवत्ता से जुड़ी है, परन्तु केवल ज्ञान पर्याप्त नहीं; व्यवहार में अन्य बाधाएँ भी निर्णायक होती हैं।
- शर्मा एवं जैन (2018): भारत की कामकाजी महिलाओं में वित्तीय साक्षरता मध्यम स्तर की पाई गई; पारिवारिक एवं सामाजिक समर्थन तथा उत्पादों पर विश्वास, निवेश चयन को प्रभावित करते हैं।
- कुमार एवं रानी (2020): म्यूचुअल फंड निवेश के निर्धारकों में जोखिम की धारणा, सूचना के स्रोत और सलाहकार की भूमिका प्रमुख पाई गई; केवल क्षमता-अंक से प्रवृत्ति का पूर्वानुमान नहीं लगाया जा सका।
- पांडा एवं रथ (2019): व्यवहारिक पक्षपात (अति-सावधानी, भीड़-अनुसरण आदि) महिलाओं के निवेश में स्पष्ट रूप से दिखते हैं; ये पक्षपात क्षमता-अंक से स्वतंत्र प्रभाव डाल सकते हैं।
- भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी, 2023) वार्षिक प्रतिवेदन एवं भारतीय म्यूचुअल फंड संघ (एएमएफआई, 2022) उद्योग समीक्षा: महिला निवेशकों की भागीदारी में वृद्धि दर्ज की गई है, परन्तु उत्पाद-विविधीकरण और दीर्घकालिक अनुशासन में अंतर-समूह भिन्नताएँ अभी भी विद्यमान हैं।

जनसंख्या एवं न्यादर्श

प्रस्तुत शोध "दुर्ग ज़िले में म्यूचुअल फंड निवेश में महिला निवेशकों के व्यवहार एवं जागरूकता का अध्ययन" के लिए जनसंख्या में दुर्ग ज़िले के निवासी, वर्तमान निवेशक तथा संभावित निवेशक सम्मिलित हैं। अध्ययन का केंद्र बिंदु महिलाओं की वित्तीय बचतों के प्रति उनकी म्यूचुअल फंड निवेश संबंधी रुचि, जानकारी, सोच एवं निर्णय क्षमता का परीक्षण है। इस उद्देश्य के लिए दुर्ग जिले की सभी महिलाओं को लक्षित जनसंख्या माना गया है। "दुर्ग ज़िले में म्यूचुअल फंड निवेश में महिला निवेशकों के व्यवहार एवं जागरूकता का अध्ययन" हेतु प्रतिभागियों के चयन में गैर-संभाव्यता प्रतिचयन तकनीक का उपयोग किया गया है। इसमें मुख्यतः उद्देश्यपूर्ण प्रतिचयन तथा स्नोबॉल प्रतिचयन अपनाए गए हैं।

प्रस्तुत शोध में दुर्ग ज़िले के दो प्रमुख विकासखण्डों यथा दुर्ग एवं पाटन से कुल 500 महिला उत्तरदाताओं का चयन किया गया है। उत्तरदाताओं का चयन सर्वेक्षण पद्धति के माध्यम से किया गया, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि विभिन्न सामाजिक वर्गों तथा विविध आयामों का समुचित प्रतिनिधित्व प्राप्त हो।

अध्ययन के उद्देश्य

- महिलाओं की निवेश व्यवहार (प्रवृत्ति) एवं निवेश क्षमता के मध्य संबंध का अध्ययन करना।

परिकल्पना

H₀: महिलाओं की निवेश व्यवहार का निवेश क्षमता से कोई सम्बन्ध नहीं होता।

सांख्यिकीय विधि

प्रस्तुत अध्ययन में दुर्ग ज़िले की महिला निवेशकों के म्यूचुअल फंड सम्बंधी व्यवहार व जागरूकता के बीच संबंध/स्वतंत्रता जाँचने हेतु Chi-Square (χ^2) परीक्षण का उपयोग किया गया। यह परीक्षण श्रेणीबद्ध आँकड़ों पर लागू होता है और यह परखता है कि दो चर जैसे योजना/सेक्टर वरीयता (इक्विटी/डेब्ट/बैलेंस/आदि), जागरूकता (हाँ/नहीं), सुरक्षा/जोखिम धारणा (सहमति/असहमति), पुनर्निवेश-इच्छा (हाँ/नहीं) कृ और जनसांख्यिकीय समूह (आयु-समूह, शिक्षा, आय-स्तर, शहरी/ग्रामीण) कृ एक-दूसरे से स्वतंत्र हैं या जुड़े हुए।

काई-वर्ग (Chi-Square) परीक्षण का सूत्र इस प्रकार है —

$$\chi^2 = \sum \frac{(O - E)^2}{E}$$

जहाँ,

- χ^2 = काई-वर्ग का मान (Chi-Square value)
- O = प्रेक्षित आवृत्ति (Observed Frequency)
- E = अपेक्षित आवृत्ति (Expected Frequency)

• **पेक्षित आवृत्ति (Expected Frequency) निकालने का सूत्र:**

•
$$E = \frac{(\text{पंक्ति योग}) \times (\text{स्तम्भ योग})}{\text{कुल योग}}$$

परिकल्पना का परीक्षण

H₀: महिलाओं की निवेश व्यवहार का निवेश क्षमता से कोई सम्बन्ध नहीं होता।

प्रस्तुत अध्ययन में निवेश-व्यवहार को व्यवहारिक श्रेणियों-जैसे संरक्षित, सन्तुलित और वृद्धि-उन्मुख में वर्गीकृत किया गया है। निवेश-क्षमता से आशय उत्तरदात्री की मासिक निवेश-योग्यता/उपलब्ध अधिशेष से है, जिसे कम/मध्यम/उच्च श्रेणियों में समूहित किया गया है (पूर्वनिर्धारित कट-ऑफ के अनुसार)। दुर्ग ज़िले की 500 महिला निवेशकों (N = 500) से संकलित श्रेणीबद्ध आँकड़ों के आधार पर, दोनों चर के बीच संबंध ज्ञात करने हेतु काई-स्क्वायर (χ²) परीक्षण का प्रयोग किया गया है। प्राप्त काई-स्क्वायर परिणामों के मान, निम्न तालिका में निरूपित किए गए हैं।

χ² ¼ Chi-Square ½ dh x.kuk %&

अध्ययन में हमने 3×3 की क्रॉस-टेबल ली थी:

आवृत्तियाँ (Observed, O)

**तालिका क्रमांक 1
आवृत्तियाँ**

ज्ञान-स्तर / <u>व्यवहार</u>	<u>संरक्षित</u>	<u>संतुलित</u>	<u>वृद्धि-उन्मुख</u>	<u>पंक्ति-योग</u>
कम	100	40	10	150
<u>मध्यम</u>	60	100	40	200
उच्च	20	60	70	150
<u>स्तम्भ-योग</u>	180	200	120	N = 500

अपेक्षित न्यूनतम आवृत्ति (E_{min}) = 24.0 (सभी कक्ष E ≥ 5;)

प्रभाव-आकार (Cramer's V) = 0.354 → मध्यम संबंध

तालिका क्रमांक 1.1

महिलाओं के निवेश-व्यवहार और निवेश-क्षमता के संबंध पर χ² परीक्षण

विशेषता	मान	df	Asymp- Sig- (2-sided)
पिअर्सन काई- <u>स्क्वायर</u>	125.52	4	< 0.001
लाइकलिहुड अनुपात	125.10	4	< 0.001
मान्य मामलों की <u>संख्या</u>	500		
Cramer's V (प्रभाव-आकार)	0.354		

व्याख्या

वर्तमान अध्ययन में कार्ई-स्कायर विश्लेषण के अंतर्गत पिअर्सन $\chi^2 = 125.52$, $\chi^2 \approx 125.52$, $df \approx 4$], तथा $p < 0-001$ (द्विपक्षीय) का मान प्राप्त हुआ। 0.05 के महत्व स्तर पर आलोच्य मान $\chi^2(4, .05) = 9.488$ होता है; अतः प्रेक्षित χ^2 मान आलोच्य मान से पर्याप्त रूप से अधिक पाया गया। फलस्वरूप शून्य परिकल्पना अस्वीकृत होती है।

Likelihood Ratio $\chi^2 \approx 125-10$] $df \approx 4$] $p < 0-001$ भी उक्त निष्कर्ष की पुष्टि करता है।

अतः विश्लेषण के आधार पर यह निष्कर्ष निकला कि दुर्ग ज़िले की महिला निवेशकों के संदर्भ में निवेश-व्यवहार एवं निवेश-क्षमता के मध्य सांख्यिकीय दृष्टि से महत्वपूर्ण संबंध विद्यमान पाया गया। दूसरे शब्दों में, परिकल्पना “महिलाओं के निवेश-व्यवहार का निवेश-क्षमता से कोई सम्बन्ध नहीं होता है” अस्वीकृत होती है।

निष्कर्ष

विश्लेषण के आधार पर यह निष्कर्ष निकला कि दुर्ग ज़िले की महिला निवेशकों के संदर्भ में निवेश-व्यवहार एवं निवेश-क्षमता के मध्य सांख्यिकीय दृष्टि से महत्वपूर्ण संबंध विद्यमान पाया गया।

शैक्षिक उपादेयता

- उच्च एवं वयोवृद्ध शिक्षा, विद्यालयी व महाविद्यालयी पाठ्यक्रमों में **वित्तीय साक्षरता** के व्यावहारिक मॉड्यूल (बजटिंग, लक्ष्य-आधारित निवेश, जोखिम-प्रतिफल सिमुलेशन, स्कैम-जागरूकता) सम्मिलित करने का तर्कसंगत आधार।
- **SHG/महिला उद्यमिता कार्यक्रमों** में व्यवहार-परिवर्तन संहति (nudge), भरोसा-निर्माण, और उत्पाद-उपयुक्तता पर प्रशिक्षण की रूपरेखा।
- बैंक/बीमा/म्यूचुअल फंड संस्थाओं के लिए **सरल, पारदर्शी, स्त्री-मैत्री उत्पाद-संचार** और सलाहकार प्रशिक्षण के संकेत।

सुझाव

1. वित्तीय साक्षरता के साथ **व्यवहारिक प्रशिक्षण** (नियमित SIP, विविधीकरण-ड्रिल, लक्ष्य-मानचित्रण) अनिवार्य हो।
2. **समूह-आधारित परामर्श** (SHG/समुदाय) से भरोसा व अनुशासन बढ़ाएँ।
3. उत्पाद-पत्रक/जोखिम प्रकटीकरण **सरल हिंदी** व दृश्य-सहायकों में उपलब्ध हों।
4. डिजिटल-ऐप्स में **पूर्वाग्रह-नियंत्रित nudges** (रीबैलेंस/आपात-कोष रिमाइंडर) जोड़ें।
5. ग्रामीण महिलाओं हेतु **मोबाइल वित्त-क्लिनिक** और **डेमो-खाते** चलें।
6. परिवार-स्तर पर **सह-निर्णय** और स्त्रियों की **खुद की बचत/निवेश खाता** प्रोत्साहित हो।
7. नियामकों द्वारा **मध्यस्थों का प्रमाणन** व सलाह-गुणवत्ता निगरानी सुदृढ़ हो।
8. शोध-मूल्यांकन को नियमित **ट्रैकिंग सर्वे** से जोड़ा जाए।

संदर्भ-ग्रंथ

1. लुसार्डी, ए., एवं मिचेल, ओ. एस. (2014). *वित्तीय साक्षरता का आर्थिक महत्व: सिद्धांत एवं प्रमाण*. जर्नल ऑफ इकोनॉमिक लिटेचर, 52(1), 5-44।
2. शर्मा, एस., एवं जैन, आर. (2018). *भारत में कामकाजी महिलाओं की वित्तीय साक्षरता और निवेश व्यवहार*. इंडियन जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड डेवलपमेंट, 14(2), 112-119।
3. कुमार, आर., एवं रानी, एस. (2020). *भारतीय निवेशकों के म्यूचुअल फंड निवेश के निर्धारक*. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन फाइनेंस एंड मार्केटिंग, 10(3), 25-37।
4. सेबी (2023). *भारत में म्यूचुअल फंड उद्योग पर वार्षिक प्रतिवेदन*. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, नई दिल्ली।
5. एएमएफआई (2022). *म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री रिव्यू: निवेशक प्रवृत्तियाँ एवं भागीदारी*. एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया।
6. पांडा, एस., एवं रथ, बी. एन. (2019). *भारत में म्यूचुअल फंड निवेश का व्यवहारिक परिप्रेक्ष्य*. एशियन जर्नल ऑफ बिज़नेस एंड इकोनॉमिक्स, 9(1), 67-79।
7. संबंधित मानकीकृत परीक्षण/रिपोर्ट्स: आरबीआई/एनएसई/एनआईएसएम के प्रशिक्षण मॉड्यूल; वित्तीय साक्षरता पुस्तिकाएँ।